Development of Minor Ports in Gujarat

1529. SHRI BRAHMAKUMAR BHATT: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether the State Government of Gujarat has sent a proposal seeking Central Assistance for the development of minor ports in the States; and

(b) if so, the details of amount demanded by the State Government for the purpose and the amount sanctioned by the Central Government?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (DR. DEBENDRA PRADHAN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Cargo Handled by Pipav Port

1530. SHRI PRAFUL GORADIA: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) the volume of tonnage that has been handled by the Pipav port during the last year;

(b) whether Government have made any efforts to see that the land locked States of Delhi, Haryana, Punjab and Rajasthan etc. make more use of the facilities available at Pipav; and

(c) if so, what has been the response of these State Government?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (DR. DEBENDRA PRADHAN): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Super Highway Project

1531. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to refer to answer to unstarred questions 133 and 142 given in the Rajys Sabha on the 23rd February 1999 and State:

(a) the details of the Express Highways Project; and

(b) the progress so far made in the project?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (DR. DEBENDRA PRADHAN): (a) Sir, the question No. 133 and 142 pertain to North-South and East-west corridors combined with the Golden Quadrilateral connecting 4 metros. This project is not an exclusive Express Highway project, but involves construction of approximately 9,400 kms. of Express ways along alignments, widening of 1,400 Kms to six-lane and widening of 5,500 Kms to four-lane. The total estimated cost of the entire project is approximately Rs. 1,24,000 crores at 1999 prices.

(b) So far bids on BOT basis have been invited from private sector for four-laning of Jaipur-Kishangarh Section of NH-8 and bidders have been shortlisted for the Tumkur-Neelamangala Section of NH-4 and Hosur-Krishnagiri Section of NH-7. Bids for work at pints on North-South and East- Corridors have been received and work will be awarded very soon.

Amount Spent on National Highways in Maharashtra

1532. SHRI SATISHCHANDRA SITARAM PRADHAN: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) the total number of National Highways in Maharashtra; and

(b) the amount spent on them during the last three years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (DR. DEBENDRA PRADHAN): (a) There are 14 number of National highways in the state of Maharashtra.

(b) the details are as under:

Year	Expenditure incurred on construction and maintenance of N.Hs. (Rs. in crores)
1995-96	52.30
1996-97	59.46
1997-98	92.67

मध्य प्रदेश और गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्ग का निरीक्षण

1533. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे:** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मध्य प्रदेश और गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्गों की निगरानी व निरीक्षण हेतु सरकार का कोई प्रतिनिधि है;

(ख) यदि हां, तो उनकी भूमिका और दायित्वों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय राजमार्गों के मरम्मत और अनुरक्षण कार्य की निगरानी रखने और निरीक्षण करने के लिए राज्यों के विभिन्न भागों का दौरा करना प्रतिनिधि का दायित्व है; और

(घ) यदि हां, तो विदिशा और नरसिंहगढ़ के कितने दौरे किए गए और ये दौरे कब किए गए?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० देवेन्द्र प्रधान): (क) जी हां। मंत्रालय का मध्य प्रदेश में भोपाल में तथा गुजरात में गांधीनगर में क्षेत्रीय कार्यालय है। प्रत्येक कार्यालय का प्रमुख एक अधीक्षण अभियंता है जो क्षेत्रीय अधिकारी कहलाता है।

(ख) क्षेत्रीय अधिकारी के कर्तव्य और जिम्मेदारी संलग्न विवरण में दी गई हैं **(नीचे देखिए)**

(ग) जी हां। क्षेत्रीय अधिकारी को राज्य के विभिन्न भागों में राष्ट्रीय राजमार्गों कार्यों का पर्यवेक्षण और निरीक्षण करना पड़ता है।

(घ) कोई भी राष्ट्रीय राजमार्ग विदिशा से होकर नहीं गुजरता है अतः निरीक्षण हेतु उस स्थान का दौरा करने का प्रश्न नहीं उठता। राष्ट्रीय राजमार्ग-12 नरसिंहगढ़ से होकर गुजरता है। सन् 1998-99 के दौरान भोपाल, नरसिंहगढ़ और ब्यौर के बीच क्रमशः 5.5.98 से 6.5.98। 31.7.98, 3.9.98 और 25.9.98 को चार निरीक्षण किए गए।

विवरण

नौवहन तथा परिवहन मंत्रालय (सड़क पक्ष) के क्षेत्रीय कार्यालयों में तैनात क्षेत्रीय अधिकारियों (सी ई अथवा एस ई) के कर्तव्य और जिम्मेदारियां

क्षेत्रीय अधिकारी आयोजना, फील्ड जांच, विस्तृत परियोजना तैयार करने, राष्ट्रीय राजमार्गों पर मूल कार्यों के कार्यान्वयन और केन्द्र द्वारा वित्त पोषित अन्य स्कीमों के तहत रख-रखाव कार्यों के संबंध में राज्य लो०नि०वि० को प्रभावी सहायता प्रदान करने के प्रयोजन से भारत सरकार, नौवहन तथा परिवहन मंत्रालय के स्थानीय प्रतिनिधि के रूप में कार्य करेंगे।

वह राष्ट्रीय राजमार्गों पर तकनीकी दृष्टि से बेहतर और आर्थिक रूप से व्यवहार्य सड़क एवं पुल परियोजनाएं तैयार करने के लिए आयोजना, विस्तृत स्थल जांच, सर्वेक्षण अवमृदा जांच, मृदा तथा जलराशि आंकड़े एकत्र करने तथा केन्द्र द्वारा वित्त पोषित स्कीमों के मामले में राज्य लो०नि०वि० के साथ पूरा तालमेल रखेंगे। (विस्तृत मार्गनिर्देशों के लिए मंत्रालय का परिपत्र सं० एन एच-III/पी/312/77 दिनांक 12.8.85 देखें।

वह सड़कों के सीरेखण, पुलों के लिए स्थल का चयन करने, बाढ़ से बचाव हेतु उचित कदम उठाने उपलब्ध स्थानीय सामग्री के आधार पर उपयुक्त निर्माण विधि और प्रक्रिया के इस्तेमाल के बारे में राज्यों के लो०नि०वि० को तकनीकी सलाह देगा। वह सड़कों के डिजाइन तैयार करने और उन पर स्ट्रक्चर बनाने के मामले में सभी प्रकार की आवश्यक मदद करेगा।

वह राज्यों द्वारा परियोजित सड़क और पुल कार्यों के बारे में विस्तृत अनुमान (एफ डी आर, एस आर और संशोधित) की जांच करेगा और डिजाइन, स्थल की स्थिति, सीरेखण, निर्माण सामग्री, विशिष्टियों, लीड्स और निर्माण के वास्तविक तथा वित्तीय शैड्यूल जैसे अन्य आवश्यक सहायक आंकड़े पर अपनी टिप्पणियां महानिदेशक (स०वि०) के पास भेजेगा। यदि मूल अनुमान के संबंध में कोई मुद्दा विशेष तौर पर महानिदेशक (स०वि०) के ध्यान में लाने की आवश्यकता हो तो मंत्रालय की तरफ से उन विशिष्ट मुद्दों पर टिप्पणियां की प्रतीक्षा किए बगैर इसका विशेष उल्लेख किया जाना चाहिए।